

asianpaints
सभी रंग विकसित दाम में उपलब्ध
अधिकृत विक्रेता
अरुणोदय एजेंसीज
महावीर चौक, राजनांदगांव
93296-47047

सोशल मीडिया इफेक्ट: अपेक्षा से कम रही...

पृष्ठ 2 सोशल मीडिया इफेक्ट: अपेक्षा से...

पृष्ठ 3

NIPPON PAINT
एशिया पैसिफिक का नंबर 1 पेंट*
अधिकृत विक्रेता
अरुणोदय एजेंसीज
महावीर चौक, राजनांदगांव
93296-47047

नांदगांव टाइम्स

सोमवार, 30 मार्च 2026, राजनांदगांव

आरएनआई 30910/76

वर्ष 50, अंक 164, पृष्ठ 04, मूल्य 3 रुएए

मन की बात में छत्तीसगढ़ के जल संवर्धन प्रयासों को मिली राष्ट्रीय पहचान, अब इसे जन आंदोलन बनाना हमारा संकल्प - मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुनी एमन की बातजू की 132वीं कड़ी, जल संरक्षण में छत्तीसगढ़ बना देश के लिए मिसाल : कोरिया जिले के जल संरक्षण मॉडल की प्रधानमंत्री ने की सराहना



रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज मुख्यमंत्री निवास में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 132वीं कड़ी सुनी और इसे राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरणादायी बताया। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम देश के कोने-कोने में हो रहे

लिए अत्यंत गर्व और प्रेरणा का विषय है। यह दर्शाता है कि प्रदेश में जमीनी स्तर पर हो रहे कार्य अब राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि चूना पानी झोकाई जैसे अभिनव मॉडल के माध्यम से किसानों ने अपने खेतों में रिचार्ज तालाब और सोखा गड्डी का निर्माण कर वर्षा जल को संभालने का सराहनीय कार्य किया है। यह जनभागीदारी आधारित पहल आज पूरे देश में सुधार की एक सशक्त मिसाल बन चुकी है और अन्य क्षेत्रों के लिए भी मार्गदर्शक बन रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जल संरक्षण अब एक जन आंदोलन का रूप ले चुका है और छत्तीसगढ़ में भी इसे जनभागीदारी से जोड़ते हुए व्यापक स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों को जल संरक्षण को अपने दैनिक जीवन का अंग बनाने और इसमें सक्रिय भागीदारी निभा कर आदान किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 'मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री द्वारा मन्त्रय उपादान में आत्मनिर्भरता, फिटेस को

बढ़ावा, शुगर टैक में कमी और खेलों के लिए अनुकूल वातावरण निर्माण जैसे विषयों पर दिए गए संदेश अत्यंत उपयोगी और प्रेरणादायी हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मन्त्रय पालन को बढ़ावा देने, युवाओं को खेलों से जोड़ने और स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करने के लिए योजनाबद्ध प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और युवाओं के लिए नए अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने पश्चिमी एशिया में जल परियोजनाओं के संदर्भ में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए संदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि देश हर चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है और केंद्र तथा राज्य सरकारों समन्वय से साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने प्रदेशवासियों को आश्वासन दिया कि जलोसमृद्ध में पेट्रोलियम उत्पादों, रसायन और अन्य आवश्यक वस्तुओं को पर्याप्त उपलब्धता हेतु वाणिज्य व्यवस्था पूरी तरह सुचारु और सामान्य है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अफवाहों से दूर रहें और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही



विश्वास करें। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जल-संभरण को शक्ति के साथ जल संरक्षण को और मजबूत कर छत्तीसगढ़ को सुरक्षित, समृद्ध और जल-संपन्न पश्चिम की ओर ले जाने के लिए, मन्त्रय सकारण पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा प्रदेश निरंतर नवाचार, सहभागिता और सुशासन

विपरीत वैश्विक परिस्थितियों में पेट्रोल-डीजल पर उदात्त शुल्क में कमी, भारत ने दिया मजबूती का संदेश

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। विपरीत वैश्विक परिस्थितियों के बीच केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल एवं डीजल पर उदात्त शुल्क (एक्साइज ड्यूटी) में कमी किए जाने के निर्णय का जिला प्रशासन अत्यंत ही कोमल विह्वल राष्ट्रपति ने स्वागत करते हुए इसे आमजन को तुरंत देने वाला ऐतिहासिक एवं जनतावादी कदम बताया है। श्री राजनांदगांव के जल संवर्धन प्रयासों के लिए अतिरिक्त पुनर्विनिवेश और वित्तीय सहायता के रूप में देश ने हर संभव को अवरुद्ध करने की शक्ति दिखाई है और यह निर्णय सीधे तौर पर एक और सशक्त कदम है। जिला प्रशासन अत्यंत ही कोमल विह्वल राष्ट्रपति ने कहा कि केंद्र सरकार का यह कदम आम जनता के प्रति उसकी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसने देशवासियों में विश्वास और उदात्त का संसार होना तथा भारत की वैश्विक छवि एक मजबूत और निर्भीक राष्ट्र के रूप में और सुदृढ़ होगी।

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। विपरीत वैश्विक परिस्थितियों के बीच केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल एवं डीजल पर उदात्त शुल्क (एक्साइज ड्यूटी) में कमी किए जाने के निर्णय का जिला प्रशासन अत्यंत ही कोमल विह्वल राष्ट्रपति ने स्वागत करते हुए इसे आमजन को तुरंत देने वाला ऐतिहासिक एवं जनतावादी कदम बताया है। श्री राजनांदगांव के जल संवर्धन प्रयासों के लिए अतिरिक्त पुनर्विनिवेश और वित्तीय सहायता के रूप में देश ने हर संभव को अवरुद्ध करने की शक्ति दिखाई है और यह निर्णय सीधे तौर पर एक और सशक्त कदम है। जिला प्रशासन अत्यंत ही कोमल विह्वल राष्ट्रपति ने कहा कि केंद्र सरकार का यह कदम आम जनता के प्रति उसकी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसने देशवासियों में विश्वास और उदात्त का संसार होना तथा भारत की वैश्विक छवि एक मजबूत और निर्भीक राष्ट्र के रूप में और सुदृढ़ होगी।

वटिष्ठ भाजपा नेता कृष्ण तिवारी को मिली नई जिम्मेदारी, कार्यकर्ताओं में हर्ष

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। वटिष्ठ भाजपा नेता कृष्ण तिवारी को भारतीय जनता पार्टी के जिला सहायक प्रमुख का मीडिया प्रभारी नियुक्त किए जाने पर क्षेत्र में खुशी का माहौल है। भाजपा ग्रामीण मंडल के कार्यकर्ताओं ने इस नियुक्ति पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। कार्यकर्ताओं ने कहा कि कृष्ण तिवारी के संगठनात्मक अनुभव, सक्रियता और पार्टी के प्रति समर्पण को देखते हुए यह जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है। उनके नेतृत्व में सक्रियता प्रकाश के कार्यों को नई गति मिलेगी तथा संगठन और अधिक मजबूत होगा। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने विश्वास जताया कि कृष्ण तिवारी अपनी नई जिम्मेदारी का कर्तव्यपूर्वक निर्वहन करते हुए पार्टी को नतीजों एवं योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

सुकमा में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता : 5 लाख का इनामी नक्सली कमांडर ढेर

सुकमा। छत्तीसगढ़ के नक्सल चक्रवर्तन में बताया कि रिवर स्यूड डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (रिजर्व गार्ड) की एक टीम पोलमण्ड्री थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले पहाड़ी जंगली इलाकों में तलाशी अभियान पर निकली थी। इसी दौरान लाल लाग एवं बड़े नक्सलियों ने जवानों पर खरगियर शुरू कर दो जवानों ने भी मोर्चा संभालते हुए जवानों का रक्षा किया। काफी देर तक चली रकू-रकू कांड, दो एक वदीधारी नक्सली का शव

और हथियार बरामद हुए। **कौन था मुचाको के ललाश?** बारे में पुलिस ने महत्वपूर्ण जानकारी कागजातों के माध्यम से जांच शुरू की है। इस अवसर पर विधायक श्री सुरेश मिश्रा, छत्तीसगढ़ नगरिक आरूपी निगम के अध्यक्ष श्री राजेश शीवालकर, मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार श्री कृष्ण दास सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

श्रीलता माता मंदिर परिसर में जनसुविधा विस्तार की दिशा में बड़ा कदम

0 शेड निर्माण के भूमिपूजन में शामिल हुईं जिला पंचायत अध्यक्ष किरण रविन्द्र वैष्णव

धुरिया (नांदगांव टाइम्स)। जून्वी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम आमवाय (कुम्हट) में धार्मिक आस्था और ग्रामीण विकास का ऐतिहासिक संमेलन देखने को मिला, जहां श्रीलता माता मंदिर के समाने भव्य शेड निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया गया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में जिला पंचायत राजनांदगांव अध्यक्ष श्रीमती किरण रविन्द्र वैष्णव मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुईं। साथ ही इस अवसर पर श्री हीरालाल नेताम संसद, श्री पंचदत्त साहू ग्राम पटेल, श्री योगेन्द्र गजपल अध्यक्ष ग्राम विकास समिति, श्री अमर राम साहू, समिति के अध्यक्ष एवं सदस्य श्री देवेन्द्र साहू, श्री भूपाल साहू, श्री शशीया राम साहू, श्री सूरज राम साहू, श्री अजित देवीगन, श्री भवानाथ राम साहू, श्री देवनाथ साहू सहित ग्रामजनों ने सदस्यगण उपस्थित थे। पूरे विधि-विधान और शैक्षिक प्रशिक्षण के साथ हुए भूमिपूजन में स्थानीय ग्रामीणों को उत्साहित उपस्थिति ने इस कार्यक्रम को गतिमय बना दिया। श्रीलता माता मंदिर

भक्त कलश शोभा यात्रा के साथ ग्राम बोरी में मनाई गई भक्त माता कर्मा जयंती

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। ग्राम बोरी में साहू की मधुर प्रस्तुति के साथ शोभायात्रा पूरे गांव में मनाई गई। मंती-गली भ्रमण के पश्चात् कर्मा गली की विधिवत पूजा-अर्चना एवं आरती संकल की गई। इसके पश्चात् अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया। अतिथियों ने अपने संबोधन में भक्त माता कर्मा के जीवन पर प्रकाश डालते हुए समाज को उनके आदर्शों और कर्तव्यों से प्रेरणा देने का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम साहू समाज बोरी के अध्यक्ष किरण साहू ने की। कार्यक्रम को शुभारंभ भव्य कलश शोभा यात्रा से हुई, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष एवं युवा शामिल हुए। भजन मंडली ब्रदालुओं के बीच खिचड़ी प्रसारी का निवृत्त किया गया। आभार प्रदर्शन ब्रदालु दास साहू द्वारा किया गया। पूरा आयोजन शांतिपूर्ण एवं सोहार्दपूर्ण वातावरण में संचल हुआ।

जनता का कलेक्टर : जमीन पर उतरा प्रशासन, भरोसे में बदला सिस्टम रिपोर्ट



विशेष संवाददाता
राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। राजनांदगांव जिले में प्रशासन को कार्यशील को लेकर जो चर्चा है, वह अब भारी गति बतक रही है। जमीनी स्तर पर कार्य शुरू हो चुका है। मन्त्रय वर्ग, ग्रामीण और ग्रामीण तंत्र के बीच यह भरोसा साफ दिख रहा है कि प्रशासन अब केवल सूत्र नहीं रहा, बल्कि तब समय में समाधान भी दे रहा है। इस्का सबसे बड़ा उदाहरण राज्य मामलों में देखने को मिला है, जहां न्यायालय, बंदवार और सामाजिक जैसे जटिल प्रकरणों में 205 मामलों का निपटारा 5 दिनों के भीतर हो चुका है, और चर्चा गति आगे भी



बनी हुई है। इस बदलाव के पीछे कलेक्टर जितेंद्र यादव की सख्त मार्गदर्शिका और स्पष्ट जवाबदेही रही है। बैठकों में दिए गए संक्षेप को निर्यात मिसा हो चुकी है और अधिकारियों को प्रगति पर लगातार नजर रखी गई है। यही कारण है कि जो काम पहले महीनों में होता था, वह अब दिनों में सिमट गया है। साथ ही, केवल दफ्तरों तक सीमित रहने के बजाय अधिकारियों और कर्मचारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर योजनाओं को वास्तविक स्थिति देखने, गांवों की जरूरत समझने और प्रस्ताव तैयार करवाकर स्वीकृति दिलाने का व्यवस्था स्थापित हो चुकी है। प्रशासन की संवेदनशीलता का असर छोटे मामलों में भी दिखा है।



संभव है। प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य योजनाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और गडबडीयों पर कार्रवाई का सिस्टम भी प्रभावी रूप से लागू हो चुका है, जिससे अनियमितताओं पर काफ़ी दबक रोक लगी है। अवेध कालोनियों में जो उनका बुरा हाल चला है वह हटाया जा रहा है। जल संरक्षण के क्षेत्र में भी प्रशासन ने ठोस कदम उठाए हैं। जिले में लंबे समय से यह समस्या रही है कि 'मरती' का पानी कलेक्टर बोरी से पान को खेती को जाती थी और खेतों से भी अनियमितताओं निर्यात जाती थी। इस पर सखी करते हुए नए कुएँ को आयात की आगे में लेते हुए वही फल के दौरान फीटड पर सख के साथ खंड नजर आई है जिसका कारण भी सखी साधक रहा। इसके साथ ही, केवल उदाहरण के रूप में निरंतर रहने के बजाय गांव-गांव जाकर किसानों



को समझाशा दी जा चुकी है, जिससे जल संरक्षण को लेकर जागरूकता बढ़ी है। इसी कड़ी में फसल परिवर्तन को लेकर जो पहल की गई, वह अब जमीन पर परिणाम देने लगी है। राजनांदगांव जिला महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश राज्यों से जुड़े रहने के कारण धान खेती बढ़ी है जो किसानों को फसल के बदारी सौजन में कलेक्टर श्री यादव को निगरानी में किसानों से सौंधे संवाद हो चुका है, विभागों के बीच समन्वय स्थापित हो चुका है और चना, मका सहित वैकल्पिक फसलों की समर्थन मूल्य पर खरीदी की पुष्टा व्यवस्था की गई है और कलेक्टर जितेंद्र यादव स्वयं खरीदी केटी पर आ रहे हैं। वे शादर फसल चक्र परिवर्तन के उपरत किसानों को होने वाले फायदे को भी जगावाहिर कर किसानों को इसके लिए प्रोत्साहित करने को सखी रखी है और शादर फसल चलेते ही वे इममें सौंधे सखी सखी से दिखलाई दे रहे हैं। वैकल्पिक संसाधनों और कृषि विभाग के साथ तालमेल बनाकर किसानों को भरोसा दिलाया जा चुका है कि फसल बदलने पर उन्हें नुकसान नहीं होगा। इससे किसानों में धीरे-धीरे भरोसा बन रहा है कि वैकल्पिक फसलों केवल विकल्प नहीं, बल्कि आय का स्थायी साधन बन सकती हैं। जल संरक्षण को दिशा में जो काम पहले शुरू हुआ था, उसे आगे बढ़ाते हुए प्रशासन ने निरंतरता बनाए रखी है। इस अभियान को नींव पुर्व में जिला पंचायत स्तर पर तकनीकी सौंधे अमित कुमार द्वारा किया जा चुकी थी, जिसे बाद में सूरुची सिंह (आईएसए) ने प्रभावी रूप से आगे बढ़ाया और इसके लिए उन्हें रूपायति के हाथों पुरेकर



प्राप्त हो चुका है। वर्तमान कलेक्टर श्री जितेंद्र यादव ने उसी सोच को आगे बढ़ाते हुए इसे और मजबूत करते हुए नजर आ रहे हैं। कलेक्टर की निगरानी में सखी के साथ सरलता का संतुलन भी बना आता है। इसी के चलते इस वर्ष उन्होंने रबी के सौजन में पान की बुवाई पर अच्छा प्रतिक्रिया प्रदर्शित करवाया जिसमें उन्हें निर्यात विभाग का भार पर अतिरिक्त सहायता मिली। कलेक्टर जितेंद्र यादव आदेश देने तक ही सीमित नहीं रहे, बल्कि खुद सीटड में जाकर, किसानों, अधिकारियों और संस्थाओं से संवाद करते हुए। निष्कर्ष, जिले में प्रशासन अब कार्रवाई से निकलकर जमीन पर काम करता हुआ दिखलाई दे रहा है। गांवों के अनुभव में यह बदलाव साफ झलक रहा है - अब सरकार नई रूढ़ि, हमारे बीच काम करती हुई दिख रही है।

ज्ञान मंथन

- 1) उत्तर प्रदेश के किस शहर को 2025 में यूनेस्को क्रिएटिव सिटी ऑफ ग्लोबल नीची घोषित किया गया है ?
- 2) वर्ल्ड पीरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में किस देश ने पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया ?
- 3) नेशनल गोपाल रत्न अवार्ड्स भारत में किस क्षेत्र में सर्वोच्च सम्मान माने जाते हैं ?
- 4) अक्टूबर एका दिनेस, जिनने हाल ही में अपना 56वां स्थापना दिवस मनाया, ने 1971 के युद्ध के दौरान किस सेक्टर से लड़ाई लड़ी थी ?
- 5) कोइलाकेय क्या है, जो हाल ही में समाचारों में था ?

RamaQuiz (Pappu Ganesh)



उत्तर माला

- (1) लखनऊ (2) ब्राजील (3) पशुपालन और डेयरी क्षेत्र (4) निपुरा (5) प्रागैतिहासिक लोब-फ्लि मछली

रवि साहू को जिला कांग्रेस कमेटी राजनंदागांव का महामंत्री बनाया जाने पर क्षेत्र में खुशी का लहर

खुशनी (नांदगांव टाइम्स)। जनपद सदस्य डोरागांव की रवि साहू को जिला कांग्रेस कमेटी राजनंदागांव का महामंत्री नियुक्त किए जाने पर पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल व्याप्त है। उनके इस महत्वपूर्ण मनोनीत पर जनप्रतिनिधियों, कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुकाभिमना प्रेषित की है। बधाई संदेशों में कहा गया है कि रवि साहू का यह चयन संतान के प्रति उनके निरंतर समर्पण, सफिकता एवं प्रज्ञा का परिणाम है। उन्होंने लंबे समय से पार्टी के लिए अपनी तरफ पर कायं करते हुए अपनी अलग पहचान बनाई है। उनके अनुभव और नेतृत्व क्षमता से संतान को नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। कांग्रेसियों ने विश्वास व्यक्त किया है कि श्री साहू अपने नए दायित्व का कर्तव्यपूर्ण निर्वहन करते हुए संतान को और अधिक मजबूत करेंगे तथा जनहित के कार्यों को प्रार्थमिकता देंगे। साथ ही, उनके मार्गदर्शन में पार्टी की गतिविधियों को नई दिशा और गति प्राप्त होगी। इस अवसर पर समस्त क्षेत्रवासियों एवं कांग्रेस परिवार ने उनके उज्वल भविष्य, सफल कार्यकाल एवं निरंतर प्रगति को कामना की है।

रुमिका बाई साहू का आकरमिक निगम, शोकरसभा में समाज और नेता हुए शामिल

राजनंदागांव (नांदगांव टाइम्स)। जनपद पंचायत के सदसक प्रेड-3 अंधिकारी की अशिलेश साहू की पत्नी रुमिका बाई साहू का 28 मार्च को आकरमिक निगम हो गया। उनका अंतिम संस्कार दोपहर 1 बजे देवरसू (मोहना) में संपन्न हुआ। शोकरसभा में पूर्व जनपद सदस्य योगेंद्र दास शंभु, राजनंदागांव संरक्षक, जनपद पंचायत राजनंदागांव, सरपंच सिधोला मुखेश कुमार साहू, उपाध्यक्ष सरपंच संघ, सोडिया सरपंच दिव्य साहू, कोटामंडी सरपंच बदन साहू, सरपंच प्रतिनिधि गौरी कुतुबल पटेल, धामरसा जनपद सदस्य मोहन, श्रीमती अंजलि जसवाल, सरपंच प्रतिनिधि देवकुमार साहू, पूर्व सरपंच देवप्रताप आदिका सोरी सहित साहू समाज के सदस्यकारी और कार्यकारी उपस्थित रहे। सभी ने दिवंगत आत्मा को शांति के लिए प्रार्थनाएं अर्पित की।

निधन फूलचंद जी बाफना

राजनंदागांव (नांदगांव टाइम्स)। राजनंदागांव के पूर्व महापौर एवं वन मंत्र के प्रतिभा साहू की अंतिम जैन के संस्कार की श्री पूरचंद जी बाफना (गीतम निवासी) का लक्ष्मी बीमार के बाद आज दोपहर 1 बजे निधन हो गया है। श्री बाफना जी लम्बे समय से राजनंदागांव में निवास रहे थे। उनकी अंतिम यात्रा संख्या 4.30 बजे अंजित जैन के विनय स्थापना आरंभ होने तथा साहू परिवार के परिवार राजनंदागांव से मठपरा श्रमदान चढ़ जाएगा।

सोशल मीडिया इफेक्ट: अपेक्षा से कम रही नवरात्र भौड़, देवी दर्शन के लिए पहुंचें 9 लाख श्रद्धालु

अंतिम दिन अव्यवस्था व कमजोर पुलिसिंग से मीना बाजार को करना पड़ा बंद

डोंगरगढ़ (नांदगांव टाइम्स)। चैत्र नवरात्र एवं का समापन शुक्रवार देर रात नीचे भी बस्सेश्री मंदिर में ज्योति कलशा विस्मर्जन के साथ संपन्न हुआ। इस बार एवं में श्रद्धालुओं की संख्या अनुमान से कम रही। मा बस्सेश्री मंदिर ट्रस्ट संमिति और प्रशासन ने करीब 12 लाख दर्शनार्थियों के पहुंचने की उम्मीद जताई थी, लेकिन नि दिनों में लगभग 9 लाख श्रद्धालु ही देवी दर्शन के लिए पहुंचे। एवं के शुरूआती दिनों में अपेक्षित भौड़ नहीं दिखी। खासतौर पर पंचमी के दिन भी मंदिर में भक्तों का सैलाब नहीं उमड़, जो पिछले वर्षों की तुलना में अलग स्थिति रही। ट्रस्ट के अनुसार, सोशल मीडिया पर पुराने वीडियो को वरतान बतकर वायरल किए जाने से भीड़ को लेकर चर्चा बनी, जिसका असर श्रद्धालुओं की संख्या पर पड़ा। हालांकि, पंचमी के बाद स्थानीय मीडिया और जागरूक नागरिकों द्वारा वास्तविक स्थिति स्पष्ट किए जाने के बाद उठ से आधुनिक तंत्र श्रद्धालुओं की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हुई। पहले पांच दिनों में जहां लगभग 4 लाख लोग पहुंचे, वहीं अंतिम चार दिनों में यह आंकड़ा 5 लाख से अधिक हो गया।



ऊपर मंदिर की माई ज्योति सुबह 4 बजे हुई विस्मर्जन- अष्टमी के अवसर पर गुस्कार सुबह 4 बजे ऊपर मंदिर में माई ज्योति का विस्मर्जन ट्रस्ट के उपाध्यक्ष सौमि मिश्रा और ट्रस्टी दीपन चौधरी द्वारा किया गया। वहीं, नीचे मंदिर में ज्योति कलशा विस्मर्जन की प्रक्रिया शुक्रवार रात साढ़े 11 बजे शुरू हुई। इससे पहले ज्योति उठने वाली महिलाओं के पारंपरिक विधि-विधान के तहत बाल खोलकर ओंठी पढ़ाई। इसके बाद 901 ज्योति कलशा सिर पर रखकर महिलाएं महोत्सव तालिका की

उठने की परंपरा निभाई। कमजोर पुलिसिंग से हलकी रहे असाधारक तब, मीना बाजार समय से पहले करना पड़ बंद- इधर, मंते में लगे मीना बाजार की व्यवस्था अंतिम दिन फिर सवालों के घेरे में रही। कमजोर पुलिसिंग के चलते आधी रात से पहले ही बाजार बंद करना पड़ा। श्रावण के नौ में धुत चुककों और असाधारक तबों ने होनाम किया, जिना टिकट बूटों में चढ़ गए और माहौल बिगड़ दिया। जबकि बाजार में पुलिस बल को तैनात था, फिर भी स्थिति निर्वरण में नहीं दिखी। रात करीब 12 बजे इलेक्ट्रिक बंद कर दिए गए, जिसके बाद दुकानदारों ने भी अपना सामान समेट लिया। कुछ प्रवेशकर्ता बंदों में अपने परिचितों को मुन्न प्रवेश दिताते भी नजर आए।

यातायात व्यवस्था को लेकर लोगों में दिखी नाराजगी- वहीं, इस बार यातायात व्यवस्था को लेकर भी लोगों में नाराजगी देखी गई। दोपहिया वाहनों की नीचे मंदिर पार्किंग तक जाने की अनुमति नहीं दी गई। ऑटो रिक्शा और दूरिटर लॉन के पास सूझ मार्ग पर पुलिस और आईटीवीपी के जवानों ने सख्ती से रोक लगा दी। स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी इसका सामना करना पड़ा। बाई क्रमिक 3 के पावर के निनाक रात ने सोशल मीडिया पर पुलिस प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाए। नगर पालिका अध्यक्ष रमन डोंरों को भी पहचान बताने के बावजूद रोकना गया और कारों बंद के बाद ही उन्हें जाने दिया गया। बावत प्राप्त होने के बावजूद स्थानीय लोगों को पैदल चलना पड़ा, जिससे शहवासियों में नाराजगी स्पष्ट रूप से देखी गई।

बृजकिशोर सुरजन उदयाचल के अध्यक्ष मनोनिता

अतुल रायचा को सचिव - अशोक मोदी को कोषाध्यक्ष की पुनः जिम्मेदारी

राजनंदागांव (नांदगांव टाइम्स)। नेत्र चिकित्सा तथा अन्व प्रकाशन प्रभारी गुरदीप सिंह बग्गा, विधि सलाहकार धर्मंद जैन चिकित्सा सेवा के माध्यम से अपनी विशिष्ट पहचान बनाने वाली प्रदेश की अग्रणी धर्माई सेवा संस्था उदयाचल के आगामी सत्र 2026-27 हेतु नई कार्यकारिणी की घोषणा कर दी गई है जिसमें आगामी अध्यक्ष हेतु गायत्री विद्यापीठ के अध्यक्ष के साथ कई समाजसेवी संस्थाओं से संबद्ध बृजकिशोर सुरजन को महती जिम्मेदारी प्रदान की गई है जबकि सचिव पद हेतु अतुल रायचा तथा कोषाध्यक्ष पद हेतु अशोक मोदी को पुनः मनोनीत किया गया है। गत रविवार को संपन्न सामान्य सभा में संरक्षक मंडल सदस्य श्री नरुपुंज उमर, श्री उत्तमचंद जैन तथा पंचश्री डॉ.पुखराज बाफना द्वारा सर्वसम्मति से उदयाचल के साथ साथ नेत्र चिकित्सालय, महिला मंडल, युवा मंडल तथा बहु मंडल कार्यकारिणी की घोषणा डॉ. पुखराज बाफना द्वारा की गई, उपर्युक्त सदस्यों द्वारा चयनित स्वयं से नई टीम को शुभकामनाएं तथा बधायां दी गईं।

उदयाचल कार्यकारिणी - निवृत्तमान अध्यक्ष राजेंद्र बाफना, अध्यक्ष एवं भवन निर्माण प्रभारी बृजकिशोर सुरजन, उपाध्यक्ष जिनंदर रायचा, सचिव अतुल रायचा, सह सचिव हरिश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अशोक मोदी, सह कोषाध्यक्ष प्रकाश श्री श्रीमानी, नेत्र चिकित्सालय प्रभारी डॉ. पुखराज बाफना, भवन प्रभारी भागत कोटिद्वारा, व्यवस्था प्रभारी विनोद डड्डा, युवा संतान प्रभारी गीतम बाफना, सूचना

सांस्कृतिक प्रभारी शरद अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य इंदरचंद कोठारी, हरिशा जैन, विनेश चौधरी, पवन सोहिया, बालचंद्र पाखर, भरत डाकलिया तथा राजकुमार अग्रवाल इसी तारतम्य में उदयाचल की अन्य सहयोगी संस्थाओं की नई टीम इस प्रकार है -

नेत्र चिकित्सालय - प्रभारी डॉ.पुखराज बाफना, प्रमुख सलाहकार - उत्तमचंद जैन, ड.ड.क कोसं तथा चंद्र रंजिग - डॉ.निनन बाफना, ड.क. डॉ. प्रभारी राजेंद्र बाफना, साइर सेवर प्रभारी विनेश चौधरी, दंत - फिकन चिकित्सा प्रभारी अंशुकाका छाना, फिजिओथेरेपी प्रभारी नंदकिशोर खंडेलवाल, होमियोपैथी प्रभारी गुणमुखदास बाधवा, मेडिकल शोप प्रभारी प्रकाश श्रीमानी, स्वास्थ्य शिक्षक प्रभारी बालचंद्र पाखर, नेत्र शिक्षक - मोबाइल वैन प्रभारी सुदामा मोहनलाल, भोजन व्यवस्था प्रभारी प्रकाश रॉरी, सौंर ऊर्जा प्रभारी संतोष सावा, वाहन रखरखाव प्रभारी मिलेन सिंह बग्गा। उदयाचल महिला संतान कार्यकारिणी - निवृत्तमान अध्यक्ष - भागती बाफना, अध्यक्ष - साधना खंडेलवाल, सचिव - शशि अग्रवाल, कोषाध्यक्ष - कंचन डाकलिया, उदयाचल युवा संतान - अध्यक्ष अक्षय रायचा, उपाध्यक्ष अर्पण कोठारी, सचिव संययक बाफना, कोषाध्यक्ष प्रयास श्रीमानी, सांस्कृतिक प्रभारी लक्ष्य बाफना, बहु - मंडल अध्यक्ष किरण काकरिया, सचिव श्रीमती विनीता हरिनंदन, कोषाध्यक्ष प्रणीति कोठारी। उपरोक्त जानकारी उदयाचल नवनियुक्त संवाद प्रभारी गुरदीप सिंह बग्गा द्वारा प्रदान की गई।

राजनंदागांव संभागे के डाकघरों में अंतर्राष्ट्रीय पार्लस सेवा

राजनंदागांव (नांदगांव टाइम्स)। डाक विभाग द्वारा नागरिकों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए राजनंदागांव संभाग अंतर्गत आने वाले



प्रधान डाकघर एवं उपडाकघरों में अंतर्राष्ट्रीय पार्लस, दस्तावेज एवं अन्य सामग्री को बुकिंग सेवा उपलब्ध कराई जा रही है। इस सुविधा के माध्यम से नागरिक अंतर्राष्ट्रीय, दस्तावेज एवं अन्य सामग्री को विश्व के विभिन्न देशों में सुरक्षित, सफल एवं व्यवस्थित ढंग से माध्यम से भेज सकते हैं। डाक विभाग की यह सेवा पूर्णतः मुफ्त, सुरक्षित, पारदर्शी एवं विश्वसनीय है। पार्लस की सुविधाई हैडिंग, उचित पैकेजिंग संबंधी मार्गदर्शन तथा समबद्ध सेवा प्रदान की जाती है। साथ ही ऑनलाईन ट्रेकिंग की सुविधा भी प्रदान की जाती है। इस डाकघरों में बुकिंग हेतु नागरिक अपना पार्लस का पूर्ण एवं सही पता तथा विषय पहचान पत्र प्रस्तुत कर एवं पार्लस का वजन एवं विनिर्देश शुल्क का कर ट्रेकिंग रसीद प्राप्त कर सकते हैं। ट्रेकिंग रसीद के माध्यम से पार्लस की स्थिति ऑनलाइन देखी जा सकती है। डाक विभाग द्वारा बंध एवं भारी अंतर्राष्ट्रीय पार्लस के लिए डाकघर तक निःशुल्क पिकअप की सुविधा प्रदान की जा रही है। नागरिक, व्यापारी, विद्यार्थी एवं प्रवासी परिवार इस सुविधा का लाभ से सकते हैं।

जनता की समस्या छोड़, भाजपा प्रशिक्षण में व्यस्त, आखिर किस बात का संगठन : डॉ. प्रकाश शर्मा

सूरिया (नांदगांव टाइम्स)। भारतीय जनता पार्टी की कार्यशैली पर सवाल उठते हुए बिना कौंसिल के पूर्व सचिव डॉ. प्रकाश शर्मा ने कहा कि गैरदोला क्षेत्र की जनता आधी भी सड़क, रोसागा, शिला और अन्य मूलभूत सुविधाओं जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रही है, लेकिन सभा में जैदा भाषाया सरकार और जयपूर कि गैरदोला और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में कर रहे सड़कों, अंधे चिकित्सक केंद्र, जन्मुशुभकों का आभार और चर्चा से सौभाग्यवश भी जीस की सच नचने हुई है। जबकि भाषाया सरकार, शिक्षक, सार्वर में हैं, इसके बावजूद डॉ. प्रकाश शर्मा ने ही पा रहा है, जो यह दर्शाता है कि भाजपा की प्रशासिक जनता नहीं, बल्कि केवल चुनावी गणित है। डॉ. शर्मा ने यह भी कहा कि विगत दिनों सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल द्वारा रावपुर विधानसभा जाकर भर्त्सना की जापन सभा गया



मिलेगा, ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान नहीं होगा और क्षेत्र में महाविस्फोटक बुरेलेगा। डॉ. प्रकाश शर्मा ने कहा कि सरकार यह है कि संतान जनता से दूरता है, पोस्टर और प्रशिक्षण से नहीं, और विधायक काम से बनता है, भाषणों से नहीं। भाषाया में विचारों के चढ़े-बढ़े दावे जरूर किए, लेकिन जमाने की

हकीकत यह है कि जनता आधी भी संचरी कर रही है और भाषाया केवल प्रचार में लगी हुई है। उन्होंने मीन को कि जरूर सड़कों का तालमल सर्वे कर मस्यम एवं समस्याओं को गंभीरता से लेने की आवश्यकता है। साथ ही जयपूर कि गैरदोला क्षेत्र के बीच खुली बीमारी की जाप, जयपूर कि जनता के बीच खुली बीमारी का पूरा एवं सही पता तथा विषय पहचान पत्र प्रस्तुत कर एवं पार्लस का वजन एवं विनिर्देश शुल्क का कर ट्रेकिंग रसीद प्राप्त कर सकते हैं। ट्रेकिंग रसीद के माध्यम से पार्लस की स्थिति ऑनलाइन देखी जा सकती है। डाक विभाग द्वारा बंध एवं भारी अंतर्राष्ट्रीय पार्लस के लिए डाकघर तक निःशुल्क पिकअप की सुविधा प्रदान की जा रही है। नागरिक, व्यापारी, विद्यार्थी एवं प्रवासी परिवार इस सुविधा का लाभ से सकते हैं।

धर्म समाचार...

कई समस्याओं से मिलेगी तुरंत मुक्ति, सोम प्रदोष पर करें नटराज स्तुति, महादेव हरेंगे सभी संकट

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, प्रदोष व्रत करने से साधक को मानसिक शांति, उन्नत स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। यह व्रत हर माह की दोनों अशुभ तिथियों पर किया जाता है। इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा प्रदोष काल में करने का विधान है। पूजा के बाद यदि आप नटराज स्तुति और शिव जी के मंत्रों का जाप करते हैं, तो इसे विशेष फलदायी माना जाता है। चलिए जानते हैं शिव जी की कृपा प्राप्ति के कुछ खास तरीके।



इस तरह करें पूजा
सुबह जल्दी उठकर स्नान आदि से निवृत्त हो जाएं और व्रत का संकल्प लें। यदि संभव हो तो शिव जी के मंदिर जाकर या घर पर ही शिवलिंग का अर्पण करें। प्रदोष काल में पूजा, स्नान कर साफ-सूथे कपड़े पहनें। इस दिन पूजा का मूर्तुल समय 6 बजकर 38 मिनट से रात 8 बजकर 57 मिनट तक रहने वाला है। शिवलिंग पर पंचामृत (मंगलग्रह, मूत्र, दही, शहद और घृत) से अर्पण करें। शिवलिंग पर वेलपत्र, मूला और अक्षत, सुन और नैवेद्य आदि अर्पित करें। पूजा के बाद शिव चालीसा और प्रदोष व्रत की कथा का पाठ करें।

गुण फल के लिए करें ये उपाय
सोम प्रदोष व्रत के दिन शिवलिंग पर चंदन, वेलपत्र, गने का रस और शहद आदि जरूर अर्पित करना चाहिए। प्रदोष व्रत की पूजा में इस सभी चीजों की पूरी ब्रद्धा के साथ शिवलिंग पर अर्पित करने से साधक को महादेव की

हे आठ गुंकर पिता नटराज राम नमो नमः ॥
गंभीर ब्रह्म मुदंता भयके उरं ब्रह्मंडान।
निन होत प्रचंडंजन नटराज राम नमो नमः ॥
शिरः जामु चंद्रमा चिह्नय ज्योति ललतारं ॥
विषमना माला कंठं मां नटराज राम नमो नमः ॥
तवर्षावै वामो विस्ता होचिंदा अपराधिनी।
चाहु रेवण सहिंता नटराज राम नमो नमः ॥
शिरा जी के मंत्र

मूलकर मी न खाए ये चीजें, वरना खंडित हो सकता है आपका एकादशी व्रत
हिंदू धर्म में एकादशी व्रत की सभी व्रतों में सर्वश्रेष्ठ माना गया है। यह भगवान विष्णु की स्मृति है। इस दिन पूजा-पूजा और व्रत करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। साथ ही भगवान विष्णु का आशीर्वाद मिलता है। हालांकि एकादशी का व्रत वितान फलदायी है, इसके नियम उठने हो कठिन हैं। अक्सर साधक अज्ञान में कुछ चीजों का सेवन कर लेते हैं, जिससे उनका व्रत खंडित हो जाता है और उन्हें व्रत का पूरा फल नहीं मिलता है। उल्टा इस आर्थिकल में जानते हैं कि एकादशी व्रत के दौरान किन चीजों से बचना चाहिए?

चावल- एकादशी के दिन चावल खाने की मनाही होती है। पौराणिक कथा के अनुसार, इस दिन चावल का सेवन करना 'महर्षि मेधा' के सेवन के समान माना जाता है। धार्मिक दृष्टि से चावल में जल का अंश अधिक होता है और चंद्रमा का प्रभाव इस पर ज्यादा पड़ता है, जिससे मन चंचल होता है और व्यक्ति की एकाग्रता कम होती है।
दाल- केवल चावल ही नहीं, बल्कि एकादशी पर मटर को दाल, चने को दाल और उड़कू को दाल का सेवन भी नहीं करना चाहिए। इन्हें तामसिक माना गया है।
लहसुन और प्याज- किसी भी साहिक व्रत की वरत एकादशी में भी लहसुन और प्याज का सेवन पूरी तरह बहिनी है। ये तामसिक भोजन को बेनी में आते हैं, जो शरीर में अस्वस्थ और मन में अशुद्ध प्रेरणा पैदा करते हैं।
सहियारा- धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, एकादशी के दिन भेनी, मूला और परमणो जैसी सखियों का सेवन नहीं करना चाहिए। इन्हें अशुद्ध माना गया है, जो व्रत के दौरान आध्यात्मिक उन्नति के लिए दुर्भाग्य है।
नमक- इस प्राण तिथि पर सामान्य संपर्क नमक का उपयोग नहीं करना चाहिए। संकेत स्वरूप पर केवल सन नमक का ही प्रयोग करना चाहिए **सहयद्राशी व्रत के नियम**- एकादशी का व्रत केवल एक दिन का नहीं होता। इसके नियम दरमि तिथि की रात से ही शुरू हो जाते हैं। इसलिए दरमि की रात से सामाजिक व्रत से दूरी बना लें। इस दिन केवल खान-पान ही नहीं, बल्कि विचारों की पवित्रता भी जरूरी है।
सहियारा- धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, एकादशी के दिन भेनी, मूला और परमणो जैसी सखियों का सेवन नहीं करना चाहिए। इन्हें अशुद्ध माना गया है, जो व्रत के दौरान आध्यात्मिक उन्नति के लिए दुर्भाग्य है।
नमक- इस प्राण तिथि पर सामान्य संपर्क नमक का उपयोग नहीं करना चाहिए। संकेत स्वरूप पर केवल सन नमक का ही प्रयोग करना चाहिए **सहयद्राशी व्रत के नियम**- एकादशी का व्रत केवल एक दिन का नहीं होता। इसके नियम दरमि तिथि की रात से ही शुरू हो जाते हैं। इसलिए दरमि की रात से सामाजिक व्रत से दूरी बना लें। इस दिन केवल खान-पान ही नहीं, बल्कि विचारों की पवित्रता भी जरूरी है।
सहियारा- धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, एकादशी के दिन भेनी, मूला और परमणो जैसी सखियों का सेवन नहीं करना चाहिए। इन्हें अशुद्ध माना गया है, जो व्रत के दौरान आध्यात्मिक उन्नति के लिए दुर्भाग्य है।

